Becoming an Overcomer: जयवंत बनना

साधारण से बढ़कर

जयवंत होना

Handouts & Exercises: लिखित वक्तव्य और अभ्यास

Rev. Paul J. Bucknell: रेव. पॉल. जे. बकनैल

The Discipleship 2 Seminar Index: शिष्यत्व सेमिनार सूची -२

Purpose of Discipleship 2 Seminar: शिष्यत्व का उद्देश्य 2 सेमीनार

"साधारण से बढ़कर " अध्याय हमे यह दिखता है की हम परमेश्वर के लोग , किस तरह परमेश्वर के वचन पर विश्वास मजबूत कर के आत्मिक परिपक्वता में विश्वास के द्वारा बढ़कर मसीह की छवि को पा सकते हैं। चिंता , क्रोध , घमंड , अभिलाषा और अवसाद के बाद में आने वाले अध्यायों की नीव पहले चार अध्यायों पर आधारित हैं। अभ्यास पत्र भी उपलब्ध हैं।

Session #1 - सत्र 1

जयवंत होने वाले की आत्मा

निराशा से कैसे बाहर आएं सीखें

जयवंत होनेवाले की आत्मा आशा के महत्त्व और परमेश्वर के वचन में मजबूत होना दिखती है , जिससे हम आत्मिक परिपक्वता की ओर बढ़कर सिद्धता को प्राप्त करें।

Session #2 - सत्र 2

विकल्पों की खोज

हम क्यों न अपने आत्मिक विकास की ओर एक और कदम बढ़ाएं ?

क्यों विश्वासी मसीह में भरपूर जीवन जीने के बदले उदासीन और नीरस जीवन बिताते हैं ? " विकल्पों की खोज" अध्याय हमे बताता है की हम किस तरह अपने विकल्पों को अपनी आशा और आत्मविश्वास से जोड़ सकते हैं। यह अध्याय हमारे जीवनों में एक महत्वपूर्ण सुधार के लिय एक नीव का अध्याय है।

Session #3 - सत्र 3

सामर्थ को पाएं

परमेश्वर के वचन की सामर्थ की खोज करते हुए अनुभव करें !

परमेश्वर अपने लोगो से अपने वचन के द्वारा बात करता है और सत्य के द्वारा स्वतंत्र करता है।सत्य हमारे विश्वास को मजबूत करता है और शैतान के द्वारा लाये गए संदेहों के साथ प्रभावी ढंग से युद्ध करता है। यह सीखें की परमेश्वर हमसे कैसे बात करता है।

Session #4 - सत्र 4

जीतने के लिए युद्ध करें

आत्मिक मल्लयुद्ध को समझते हुए सीखे की हम सत्य के द्वारा कैसे विजय प्राप्त करें।

आत्मिक मल्लयुद्ध को सही रीति से समझना और उसका सही अभ्यास करना मसीही विकास का मूल है। आत्मिक युद्धों को जीतने की प्रक्रिया को सीखें।

Session #5 सत्र 5

चिंता पर शांति से विजय

अपनी चिंता और परेशानी को परमेश्वर की पूर्ण शांति से बदलें।

चिंता आपको पराजित कर सकती है! जाने, की अपनी चिंता और परेशानी को परमेश्वर की शांति से कैसे दूर करें। परमेश्वर की शांति को खोजने के क्रमबद्ध तरीके को सीखें।

Session #6- सत्र 6

नम्रता से घमंड पर विजय

नम्रता घमंड के विरुद्ध सबसे शक्तिशाली हथियार है।

घमंड मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। हम सभी प्रकार के पाप करते हैं , किन्तु घमंड सबसे खतरनाक है क्यूंकि वह हमे पश्यताप और परमेश्वर से जोड़ने से रोकने के लिए दीवार खड़ी कर देता है।

Session #7 सत्र 7

संतोष से अभिलाषा पर विजय पाएं

तुच्छता और अभिलाषा के अपराध बोध को संतोष की शक्ति से बदलें।

क्या अपने कभी अपनी अभिलाषाओं पर विजय पायी ? बार बार किसी चीज़ को करने से आमतोर पर वह गन्दगी , शर्म की बात , और हार का दाग छोड़ देता है। प्रभावी ढंग से संतोष की शक्ति से इन उग्र अभिलाषों सहित योन अभिलाषा से युद्ध करना सीखें।

Session #8 सत्र 8

धीरज से क्रोध पर विजय पाएं

परमेश्वर को नियंत्रण देने के द्वारा , हम क्रोध और नफरत की पहुँच से परे जाने में सक्षम हो सकते हैं।

यद्यपि हमारे अनुभओं के विपरीत हमारे क्रोध को नियंत्रित किया जा सकता है। क्रोध के भावात्मक और आत्मिक गतिविज्ञान को सीखें और जाने की कैसे हमारे दूसरों के प्रति अहंकारी व्यवहार की तुलना धीरज और दया का व्यवहार उत्तम है।

Session #9 - सत्र 9

आशा के द्वारा अवसाद पर विजयी होयें

निराशा और अवसाद को परमेश्वर की आशाओं को ख़ुशी से बदलें !

क्या आप अवसाद से राहत पाना चाहते हैं ? बाइबिल के नजरिये से निराशा और अवसाद की जड़ों के स्रोत को जाँचे , अवसाद पर जय पाएं, और परमेश्वर अपनी आशा को दूसरों तक पहुँचाने में आपका उपयोग करेगा।

Session #10 सत्र 10

जयवंत बने

स्थानांतरित विकास के सिद्धांतों को सीखें।

क्या आपकी समस्या पर विचार विमर्श हुआ है ? यह सत्र आपको स्थानांतरित सिद्धांतों का संक्षिप्त विवरण और उसका सपष्टीकरण करेगा, जिससे की जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर आप विजयी हो सकें और दूसरों को भी सलाह दे सकें।